Edit with WPS Office

गिरगिट (प्रश्न - उत्तर)

प्रश्न 1.

काठगोदाम के पास भीड़ क्यों इकट्ठी हो गई थी ?

उत्तर-

काठगोदाम के पास अचानक ही एक व्यक्ति के चीखने की आवाज़ सुनाई दी और उसके बाद कुत्ते के किकियाने की। एक व्यापारी पिचूगिन के कोठगोदाम में से एक कुत्ता तीन टाँगों के बल पर रेंगता हुआ आ रहा था, क्योंकि ख्यूक्रिन नाम के एक व्यक्ति ने कुत्ते को पिछली टाँग से पकड़ा

Edit with WPS Office

हुआ था और चीख रहा था कि इस कुत्ते को कहीं भी मत जाने दो। ख्यूक्रिन और कुत्ते दोनों के मिले -जुले शोर को सुनकर काठगोदाम के पास भीड़ इकट्ठी हो गई।

प्रश्न 2.

उँगली ठीक न होने की स्थिति में ख्यूक्रिन का नुकसान क्यों होता?

उत्तर-

ख्यूक्रिन एक कामकाजी आदमी था। वह पेचीदा किस्म का काम करता था। उसे लकड़ी लेकर जरूरी काम निपटाना था परंतु उँगली पर घाव होने के कारण वह हफ्तों तक काम नहीं कर पाएगा जिससे उसके काम का नुकसान होगा।

Edit with WPS Office

प्रश्न 3.

कुत्ता क्यों किकिया रहा था?

उत्तर-

ख्यूक्रिन ने कुत्ते की पीछे की एक टाँग भी पकड़ ली थी। वह कुत्ता तीन टाँगों के बल रेंगता चल रहा था। उसे चलने में कष्ट हो रहा था इसलिए वह किकिया रहा था।

प्रश्न 4.

बाज़ार के चौराहे पर खामोशी क्यों थी?

Edit with WPS Office

उत्तर-

बाजार में पुलिस इंस्पेक्टर ओचुमेलॉव अपने सिपाही के साथ गश्त लगा रहा था। वह रिश्वतखोर था और जो भी सामने आता था, उससे कुछ-कुछ लूट-खसोट जरूर करता था। लोग बहुत कम थे। सभी दुकानदार अपनी-अपनी दुकानों में खाली बैठे थे। वहाँ कोई खरीदार नहीं था। उस जमाने में रूस में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज़ नही थी। पुलिस वाले आम आदमियों को परेशान करते थे। पुलिस इंस्पेक्टर दौरे और जब्ती की कार्यवाई के कारण लोग सहम गए थे इसलिए बाज़ार के चौराहे पर खामोशी थी।

Edit with WPS Office

प्रश्न 5.

जनरल साहब के बावर्ची ने कुत्ते के बारे में क्या बताया?

उत्तर-

जनरल साहब के बावर्ची ने कुत्ते के बारे में बताया कि यह कुत्ता उनके मालिक का नहीं है, बल्कि उनके भाई 'इवानिच' का है। यह कुत्ता 'बारजोयस नस्ल का है और जनरल साहब इस नस्ल के कुत्तों में कोई दिलचस्पी नहीं रखते। यह नस्ल उनके भाई को पसंद है। अतः यह उन्हीं का है।

प्रश्न 6 ◆

ख्यूक्रिन ने मुआवज़ा पाने की क्या दलील दी?

Edit with WPS Office

उत्तर-

ख्यूक्रिन ने मुआवज़ा पाने की यह दलील दी कि इस कुत्ते ने मेरी उँगली काट खाई है। अब मैं एक हफ्ते तक काम नहीं कर पाऊँगा। मुझे लकड़ी का ज़रूरी काम निपटाना था। मैं एक कामकाजी व्यक्ति हूँ और मेरा काम भी पेचीदा है। मेरा भारी नुकसान होगा। अतः मुझे इस कुत्ते के मालिक से हरज़ाना दिलवाया जाए।

प्रश्न 7◆

ख्यूक्रिन ने ओचुमेलॉव को उँगली ऊपर उठाने का क्या कारण बताया?

उत्तर-

ख्यूक्रिन ने ओचुमेलॉव को बताया कि बाज़ार से

Edit with WPS Office

लकड़ी लेकर कुछ काम निपटाने के उद्देश्य से वह आया था। तभी अचानक एक कुत्ता कहीं से आया और उसने उसकी उँगुली पर काट लिया । कुत्ते द्वारा काटे जाने के कारण ही उसने अपनी उँगली ऊपर उठाई हुई थी। इस तरह से वह लोगों की हमदर्दी बटोरना चाहता था तथा बार-बार उँगली दिखाकर मुआवजे के पक्ष में दलील दे रहा था।

प्रश्न 8◆

Edit with WPS Office

येल्दीरीन ने ख्यूक्रिन को दोषी ठहराते हुए क्या कहा ?

उत्तर-

येल्दीरीन ने ख्यूक्रिन को दोषी ठहराते हुए कहा कि मैं इस ख्यूक्रिन को अच्छी तरह से जानता हूँ। यह हमेशा कोई-न-कोई शरारत करता रहता है। इसी ने अपनी जलती हुई सिगरेट इस कुत्ते की नाक में घुसेड़ दी होगी। वरना क्या कुत्ता बेवकूफ़ है, जो इसे काट खाता? यह सब इसी की शरारत का परिणाम है, इसलिए **यही दोषी है।**

प्रश्न 9◆ओचुमेलॉव ने जनरल साहब के पास यह

Edit with WPS Office

संदेश क्यों भिजवाया होगा कि उनसे कहना कि यह मुझे मिला और मैंने इसे वापस उनके पास भेजा है'?

उत्तर-ओचुमेलॉव एक अवसरवादी इंस्पेक्टर था। वह चापलूस था तथा भाई-भतीजावाद में विश्वास रखता था। उसने यह संदेश इसलिए भिजवाया होगा ताकि वह जनरल साहब की नज़रों में अच्छा बन सके। वह जनरल साहब का हितैषी बनकर उनके प्रति निष्ठा व्यक्त कर उन्हें प्रसन्न करते हुए स्वयं श्रेय लेना चाहता था। वह जताना चाहता था कि वह जनरल साहब का ही नहीं उनके कुत्ते का भी ध्यान रखता है। उसे साहब की भलाई की चिंता है। वह उनका आज्ञाकारी, विश्वसनीय सेवक है उसे आशा थी कि यह संदेश सुनकर जनरल साहब उससे खुश हो जाएँगे और उसकी प्रशंसा करने के साथ-साथ उसे पदोन्नति देंगे।

Edit with WPS Office

प्रश्न 10◆

भीड़ ख्यूक्रिन पर क्यों हँसने लगती है?

उत्तर-

इंस्पेक्टर ओचुमेलॉव ने पहले तो ख्यूक्रिन को उसे कुत्ते के काटने पर उसके मालिक के विरुद्ध कार्यवाही करने के लिए कहा, पर जब उसे यह पता चला कि यह कुत्ता तो जनरल साहब या उनके भाई दोनों में से किसी एक का है, तो उसने ख्यूक्रिन को न्याय दिलाने की जगह उसे ही दोषी ठहरा दिया। उसकी इसी विवशता तथा पक्षपातपूर्ण कानून व्यवस्था पर भीड़ हँसने लगती है।

Edit with WPS Office

प्रश्न 11◆

किसी कील-वील से उँगली छील ली होगी-ऐसा ओचुमेलॉव ने क्यों कहा?

उत्तर-

भाई-भतीजावाद तथा चापलूसी करने में विश्वास रखने वाले पुलिस इंस्पेक्टर ओचुमेलॉव को जब यह पता चला कि ख्यूक्रिन की उँगली काटने वाला कुत्ता आम नहीं है, बल्कि जनरल साहब या उनके भाई दोनों में से किसी एक का है, तो उसने कुत्ते को बचाने के लिए कुत्ते की जगह ख्यूक्रिन को ही दोषी ठहराते हुए कहा कि उसने स्वयं ही किसी कील-वील से उँगली छील ली होगी और इसे कुत्ते के माथे मढ़कर कुछ हरजाना ऐंठकर फ़ायदा उठाना चाह रहा है।

प्रश्न 12,◆

Edit with WPS Office

खुकिन ने ओचुमेलॉव को उँगली ऊपर उठाने का क्या कारण बताया?

उत्तर

ख्यूक्रिन ने ओचुमेलॉव को उँगली ऊपर उठाने का कारण यह बताया कि कुत्ते के काटने से उसकी उँगली लहूलुहान हो गई है। अब वह हफ्तेभर तक काम नहीं कर सकेगा। इसके अलावा वह उससे तथा लोगों से सहानुभूति पाना चाहता था।

प्रश्न 13◆

यह जानने के बाद कि कुत्ता जनरल साहब के भाई का है- ओचुमेलॉव के विचारों में क्या परिवर्तन आया और क्यों ?

उत्तर-

Edit with WPS Office

जब ओचुमेलॉव को प्रोखोर यह बताता है कि यह कुत्ता जनरल साहब के भाई का है, तो उसके विचारों में एकदम परिवर्तन आ जाता है। वह पहले जिस कुत्ते को गंदा, मरियल कह रहा था, अब वही कुत्ता उसे अति 'सुंदर डॉगी' लगने लगा। वह उसे खूबसूरत पिल्ला दिखाई देने लगा। उसे अब ख्यूक्रिन का ही दोष दिखाई देने लगा। उसके विचारों में यह परिवर्तन इसलिए आया, क्योंकि वह स्वार्थी एवं अवसरवादी व्यक्ति था और जनरल साहब को नाराज़ नहीं करना चाहता था। उन पर अपनी स्वामिभक्ति की छाप छोड़ना चाहता था।

प्रश्न 15◆

Edit with WPS Office

ख्यूक्रिन का यह कथन कि 'मेरा एक भाई भी पुलिस में है...।' समाज की किस वास्तविकता की ओर संकेत करता है?

उत्तर-

ख्यूक्रिन का यह कथन कि 'मेरा एक भाई भी पुलिस में है...।' से समाज में फैले भाई-भतीजावाद जैसी दुष्प्रवृत्ति का पता चलता है जब कुत्ते के काटने की व्यथा झेल रहे ख्यूक्रिन को लगता है कि येल्दीरीन (सिपाही) कुत्ते को दोषमुक्त करने के लिए स्वयं उसे ही दोषी ठहराने पर तुला है तो वह अपने साथ अन्याय होता देख ऐसा कहता है। इस प्रकार वह इंसपेक्टर तथा सिपाही दोनों को ऐसा बताकर भाई-भतीजावाद को अनुचित लाभ लेना चाहता है। इससे स्पष्ट होता है। कि तत्कालीन रूसी समाज में अराजकता, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद का

Edit with WPS Office

बोलबाला है। समाज में कानून नाम की कोई चीज नहीं है। दोषी को निर्दोष तथा निर्दोष को दोषी बनाने का तुच्छ कार्य अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए धड़ल्ले से किया जा रहा है।

प्रश्न 16◆

इस कहानी का शीर्षक 'गिरगिट' क्यों रखा होगा? क्या आप इस कहानी के लिए कोई अन्य शीर्षक सुझा सकते हैं? अपने शीर्षक का आधार भी स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-

इस कहानी का शीर्षक 'गिरगिट' इसलिए रखा गया है, क्योंकि पूरी कहानी में पुलिस इंस्पेक्टर अवसरानुकूल अपना रूप गिरगिट की तरह बदलता रहता है। कभी वह आम-आदमी की

Edit with WPS Office

तरफ़दारी करता है, तो कभी भाई-भतीजावादी और चापलूसी करने वाला बनकर कानून के साथ खिलवाड़ करता है। इस कहानी का शीर्षक 'चापलूस इंस्पेक्टर' या 'अवसरवादिता' भी हो सकता है, क्योंकि वह कानून का साथ न देकर उच्च पदों पर आसीन व्यक्तियों की चापलूसी करता है। चापलूस इंस्पेक्टर का जीवन सिद्धांत यह है कि उसका कोई सिद्धांत नहीं और साथ ही न कोई निर्धारित जीवन-शैली। वह समय व परिस्थितियों के अनुसार अपने को बदल देता है।

प्रश्न 16◆

'गिरगिट' कहानी के माध्यम से समाज की किन विसंगतियों पर व्यंग्य किया गया है? क्या आप ऐसी विसंगतियाँ अपने समाज में भी देखते हैं? स्पष्ट कीजिए।

Edit with WPS Office

उत्तर-

'गिरगिट' कहानी के माध्यम से लेखक ने समाज की कानून व्यवस्था पर व्यंग्य किया है। लेखक ने बताया है कि शासन व्यवस्था पूर्ण रूप से चापलूसों और भाई-भतीजावाद के समर्थक अधिकारियों के भरोसे चल रही है। व्यक्ति परिस्थिति के अनुसार अपनी बात को परिवर्तित करना अच्छी तरह से जानते हैं। चापलूस अधिकारी सही निर्णय नहीं लेते जिसका असर समाज पर पड़ता है। पुलिस का व्यवहार आम आदमी के प्रति उपेक्षापूर्ण होता है, जिसके कारण आम आदमी को न्याय नहीं मिल पाता। पुलिस अधिकारी सदा हित की बात सोचते हैं। समाज में उच्च वर्ग का दबदबा है। उन्हीं का आदेश समाज । की दिशा निर्धारित करता है जबकि सामान्य व्यक्ति का अपराध दंडनीय हो जाता है। वर्तमान समाज में भी ऐसी विसंगतियों को देखा जा

Edit with WPS Office

सकता है। हम देखते हैं कि चापलूस और रिश्वतखोर लोग निरंतर उन्नति कर रहे हैं। कानून और न्याय व्यवस्था में चारों ओर चापलूसों और भ्रष्ट लोगों का ही बोलबाला है। लोग सफल होने के लिए इसी रास्ते को अपनाते जा रहे हैं। यद्यपि इन विसंगतियों को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं, किंतु अभी अधिक सफलता नहीं मिल पाई है।

आशय स्पष्ट कीजिए-

प्रश्न 17◆

कानून सम्मत तो यही है.. कि सब लोग अब बराबर हैं।

उत्तर-

Edit with WPS Office

इस कथन से ख्यूक्रिन यह कहना चाहती है कि वर्तमान काननू-व्यवस्था में सभी बराबर हैं। कोई छोटा-बड़ा नहीं है। यदि कोई बड़ा व्यक्ति अपराध करता है तो उसे भी अवश्य ही दंड मिलना चाहिए। कानून की दृष्टि में कोई छोटा-बड़ी नहीं होता, बल्कि सब बराबर होते हैं। उसने ओचुमेलॉव से कहा कि यदि उसकी बात में सत्य नही होगा तो उस पर मुकदमा चलाया जाए। उसने यह भी कहा कि समाज में हर व्यक्ति के साथ नियम और कानून के अनुसार समान व्यवहार होना चाहिए। इसलिए वह भी न्याय प्राप्त करने का हकदार है और उसका कोई अपराध नहीं है।

प्रश्न 18◆' गिरगिट' की तुलना कैसे इंसान से की

Edit with WPS Office

जाती है और क्यों?

उत्तर :जिस प्रकार गिरगिट शत्रु से स्वयं को बचाने के लिए अपने आस-पास के परिवेश के अनुसार रंग बदल लेता है उसी प्रकार कई व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए परिस्थितियों के अनुसार अपनी बात, व्यवहार, दृष्टिकोण, विचार को बदल लेते हैं। यही कारण है कि ऐसे व्यक्तियों को गिरगिट' कहा जाता है।

प्रश्न 19◆

ख्यूक्रिन कुत्ते को क्यों पकड़ना चाहता था?

उत्तर-

ख्यूक्रिन एक मजदूर था। उसकी उँगली को एक कुत्ते ने काट खाया था। वह कुत्ते को पकड़ने के लिए उसके पीछे भाग रहा था ताकि कुत्ते के

Edit with WPS Office

मालिक से मुआवजा प्राप्त कर सके।

प्रश्न 20◆

कुत्ते के मालिक से मुआवजा पाने के लिए ख्यूक्रिन क्या कर रहा था?

उत्तर-

ख्यूक्रिन की उँगली एक कुत्ते ने काट खाई थी। घाव एवं पीड़ा की गंभीरता व्यक्त करने के लिए वह अपनी लहूलुहान उँगली लोगों को दिखा रहा था ताकि कुत्ते के मालिक से मुआवजा और लोगों की सहानुभूति प्राप्त कर सके।

Edit with WPS Office

प्रश्न 21◆

कुत्ता डरा हुआ-सा क्यों दिखाई दे रहा था?

उत्तर-

कुत्ते ने ख्यूक्रिन की उँगली काट खाई थी। ख्यूक्रिन ने उसे मारा था। किसी तरह कुत्ता जब ख्यूक्रिन से छूटकर भाग रहा था तो ख्यूक्रिन ने उसे दुबारा पकड़ लिया था। भीड़ के कारण कुत्ता आने वाले संकट से घबराया हुआ था, इसलिए उसकी आँखों में आतंक की छाप थी।

प्रश्न 22◆

ओचुमेलॉव कौन था? वह सवाल क्यों पूछ रहा था?

उत्तर-

ओचुमेलॉव पुलिस इंसपेक्टर था। क्षेत्र में शांति

Edit with WPS Office

व्यवस्था एवं कानून का विधान बनाए रखना उसका कर्तव्य था। काठगोदाम के पास जमा भीड़, कुत्ते का किकियाना, ख्यूक्रिन की चीख सुनकर उसने ये सवाल एक जिम्मेदार अफसर होने के हक से पूछे थे।

प्रश्न 23◆

ख्यूक्रिन की लहूलुहान उँगली देखकर ओचुमेलॉव को कितनी खुशी हुई ?

उत्तर-

ख्यूक्रिन की लहूलुहान उँगली देखकर और ख्यूक्रिन की काम करने में असमर्थता की बातें सुनकर भी ओचुमेलॉव का हृदय नहीं पसीजा। वह बस यही जानने का प्रयास करता रहा कि आखिर यह कुत्ता है किसका? उसे ख्यूक्रिन के

Edit with WPS Office

प्रति सहानुभूति नहीं हुई।

प्रश्न 24◆

ओचुमेलॉव कुत्ते के मालिक पर जुर्माना क्यों ठोकना चाहता था?

उत्तर-

ओचुमेलॉव कुत्ते के मालिक पर जुर्माना ठोककर दो उद्देश्य पूरा करना चाहता था। पहला–ऐसा कहकर वह ईमानदार होने का नाटक कर रहा था और दूसरा-अपनी खराब नीयत के कारण वह कुत्ते के मालिक से कुछ वसूलना भी चाहता था।

Edit with WPS Office

प्रश्न 25◆

ओचुमेलॉव को ख्यूक्रिन की बात का विश्वास क्यों नहीं हो रहा था?

उत्तर-

इंसपेक्टर ओचुमेलॉव शक प्रकट करते हुए ख्यूक्रिन से यह कह रहा था कि एक नन्हा-सा पिल्ला उस जैसे लंबे-तगड़े आदमी तक कैसे पहुँच सकता है। जरूर इसकी उँगली पर कील-वील लग गई होगी और वह जुर्माना पाने के लिए ऐसा कर रहा है।

Edit with WPS Office

प्रश्न 26◆

कुत्ते की सही पहचान किसने की और कैसे?

उत्तर-

कुत्ते को पहचानने का काम जनरल साहब के रसोइए ने किया। उसने कुत्ते को देखकर कहा कि यह कुत्ता जनरल साहब के भाई का है। उन्हें इस प्रकार (ग्रेहाउंड) के कुत्ते बहुत पसंद हैं।

प्रश्न 27◆

'गिरगिट' कहानी में ख्यूक्रिन को कितना न्याय मिला?

उत्तर-

मुआवजा पाने की आस बनाएं ख्यूक्रिन को अंत में निराशा हाथ लगती है। इंसपेक्टर उसकी गलती

Edit with WPS Office

बताकर उसे ही डाँटता डपटता है। वह भीड़ के सामने उपहास का पात्र ज़रूर बनकर रह जाता है।

28◆

प्रश्न 1.

ओचुमेलॉव एक जिम्मेदार इंसपेक्टर था, पर उसने न्यायोचित बात क्यों नहीं की?

उत्तर-

ओचुमेलॉव एक हृदयहीन, अवसरवादी, चाटुकार तथा स्वार्थी पुलिस इंसपेक्टर था, जिसे किसी की स्थिति परिस्थिति से कुछ लेना-देना नहीं था। वह छीन-झपट के या धमकाकर पैसे वसूलना जानता था। उसे ख्यूक्रिन जैसे व्यक्ति का पक्ष लेने पर कुछ मिलने वाला नहीं था, इसलिए उसने न्यायोचित बात नहीं की।

Edit with WPS Office

प्रश्न 29◆

बाज़ार के चौराहे के दृश्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर-

बाज़ार के चौराहे पर प्रतिदिन की भाँति दुकानें खुली थीं। वहाँ पर इंसपेक्टर ओचुमेलॉव अपने सिपाही के साथ गस्त लगा रहा था। वह इतना रिश्वतखोर और लालची था कि दुकानदार क्या ग्राहक भी उसके सामने आने से कतराते थे। जो भी सामने होता था, उनसे वह लूट-खसूट जरूर करता था। सामान जब्त करवा लेता था। ग्राहकों की कमी के कारण दुकानदार खाली बैठे थे। इसके अलावा पुलिस वाले लोगों को परेशान करते थे। पुलिस इंसपेक्टर के लूट और सामान जब्ती के भय से चारों ओर खामोशी छाई थी।

Edit with WPS Office

प्रश्न 29◆

इंसपेक्टर कुत्ते के मालिक का पता लगाने के लिए परेशान क्यों था?

उत्तर-

ख्यूक्रिन द्वारा हरज़ाना दिलाए जाने की बात सुन इंसपेक्टर कह रहा था कि जिसने भी इस तरह के कुत्तों को छोड़ रखा है, मैं उस बदमाश को इतना जुर्माना ठोकेंगा कि यूँ कुत्तों को खुला छोड़ने का इल्म हो जाए। वह अपने सिपाही येल्दीरीन से कहता है कि पता लगाओ यह पिल्ला किसका है। इसके पीछे उसकी कर्तव्यपराणयता की भावना नहीं, बल्कि बदनीयती थी। वह कुत्ते के मालिक का पता लगाकर उस पर जुर्माना लगाने के बहाने उससे कुछ पैसे ऐंठना चाहता था।

Edit with WPS Office

प्रश्न 30◆

ओचुमेलॉव गिरगिट की तरह रंग बदलने में माहिर था। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-

बावर्ची प्रोखोर द्वारा कुत्ते को पहचानने से पूर्व इंसपेक्टर ओचुमेलॉव कह रहा था कि अब अधिक जाँचने की ज़रूरत नहीं है। यह आवारा कुत्ता है। आवारा है, तो है। इसे मार डालो और सारा किस्सा खत्म करो, परंतु जैसे ही प्रोखोर ने बताया कि कुत्ता जनरल के भाई साहब का है, तो उसने कहा तो यह उनका कुत्ता है। बड़ी खुशी हुई... इसे ले जाइए... यह तो एक अति सुंदर डॉगी है। बहुत खूबसूरत पिल्ला है। अब ख्यूक्रिन को धमकाना शुरू कर दिया। इस तरह वह अवसरवादी था जो मौका देखकर प्रतिक्रया देता

Edit with WPS Office

था।

प्रश्न 31 ◆

'गिरगिट' कहानी अपने उद्देश्य में कितनी सफल रही है?

उत्तर-

'गिरगिट' कहानी का उद्देश्य है-शासन व्यवस्था की कमियाँ, आम आदमी की स्थिति तथा ओचुमेलॉव जैसे भ्रष्ट अधिकारियों, येल्दीरीन जैसे चापलुस कर्मचारियों का असली चेहरा समाज के सामने लाना। कहानी में संकेत किया गया है कि अच्छी शासन व्यवस्था वह होती है, जो समानता के सिद्धांत पर चलती है, अमीर-गरीब, ऊँच-नीच को एक समान दृष्टि से देखती है तथा न्याय का साथ देती है पर कहानी में वर्णित शासन व्यवस्था में तो

Edit with WPS Office

सब कुछ उल्टा है। इंसपेक्टर ओचुमेलॉव जिस पर शांति व्यवस्था एवं कानून बनाए रखने की जिम्मेदारी है, वह खुद स्वार्थपरता, अवसरवादिता तथा पक्षपात करने की सारी सीमाएँ पार कर जाते हैं तथा उनके अधीनस्थ कर्मचारी गण भी उनका साथ देते हैं। इस तरह यह कहानी अपने उद्देश्य में पूर्णतया सफल रही है।

प्रश्न 32◆

'गिरगिट' कहानी के आधार पर इसके प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर :गिरगिट कहानी का प्रमुख पात्र दरोगा ओचुमेलॉव है ।कहानी का शीर्षक उसकी ही व्याख्या करता हुआ नजर आता है। प्रस्तुत कहानी के आधार पर उसकी चारित्रिक विशेषताएं निम्नलिखित हैं:-

1◆ रोबबदार पुलिस अफसर : ओचुमेलॉव एक

Edit with WPS Office

थाने का दरोगा है। जिसके व्यक्तित्व से सभी भयभीत रहते हैं ।वह जहां भी चलता है, वहां पूरी शांति स्थापित हो जाती है। जैसा की कहानी में बाजार की दृष्टि से स्पष्ट हो जाता है।

2◆ तीव्र श्रवण शक्ति :ओचुमेलॉव की सुनने की शक्ति काफी अच्छी थी। आसपास की हल्की-फुल्की आवाज़ को भी वह बड़ी आसानी से सुन लेता था।भीड़ में से आने वाली हल्की आवाज़ भी उसे सुनाई पड़ जाती है।

3◆ कानून का पालन करने वाला: वह स्वभाव से कानून का पालक ही नजर आता है। वह बात-बात में कानून की बात कहता है और कानून ना मानने वालों को सख्त सजा भी देने की बात करता है।

4◆ कुतर्क करने वाला: ओचुमेलॉव स्वभाव से कुतर्की था। उसे तर्क के आधार पर अपनी बात

Edit with WPS Office

कहनी नहीं आती थी ।कुत्ते के बारे में पता चलने पर वह कुतर्क का सहारा लेकर खुकिन को ही घटना का दोषी मानता है और कहता है कि तुमने कील से अपनी उंगली छीन ली है और कुत्ते के सिर पर दोष मढ़कर हरजाना वसूल करना चाहते हो ।इससे पता चलता है कि उसमें तर्क करने की शक्ति कम थी।

5◆ गिरगिट की तरह रंग बदलने वाला:

ओचुमेलॉव परिस्थिति के अनुसार अपना रंग बदलता हुआ नजर आता है। कुत्ते के बारे में यह ज्ञात होने पर कि यह जनरल साहब का कुत्ता है उसके तेवर बदल जाते हैं और वह पीड़ित व्यक्ति को ही दोषी ठहराने लगता है जबकि इससे पहले वह कुत्ते के मालिक को सज़ा देने चाहता था। साथ ही उसे अब तक मरियल- सा लगने वाला कुत्ता बहुत सुंदर और प्यारा नजर आने लगता है ।थोड़ी देर पहले तक जिस कुत्ते को वह गोली से

Edit with WPS Office

मार देने का हुक्म देता है , उसे जनरल साहब का कुत्ता ज्ञात होने पर उस कुत्ते को पुचकारने लगता है और उसकी देखभाल करता हुआ नजर आता है।

।